साइबर सुरक्षा जागरूकता माह

कार्ड सुरक्षा - उपयोगी सुझाव

डिजिटलीकरण के बढ़ते दौर में, साइबर अपराधियों की बढ़ती रणनीति से सतर्क रहना बहुत आवश्यक है। एटीएम/डेबिट कार्ड से जुड़े साइबर घोटालों का शिकार होने से बचने के लिए निम्नलिखित साइबर सुरक्षा उपायों पर विचार करें और उनका पालन करें:

क्या करें

- चिप-आधारित कार्ड (ईएमवी समर्थक) होना सुनिश्चित करें, यदि नहीं है तो इसे तुरंत बैंक शाखा से बदल लें।
- बैंक द्वारा भेजे गए डिफ़ॉल्ट पिन को बदलें।
- अपने कार्ड का पिन समय-समय पर बदलते रहें।
- https और पैडलॉक साइन वाले विश्वसनीय वेबसाइट पर ही कार्ड का उपयोग करें।
- कार्ड लेनदेन और सूचनाओं के एसएमएस और ईमेल अलर्ट हेतु पंजीकरण करें।
- पिन डालते समय पिन पैड को ढकने के लिए अपने हाथ का उपयोग करें।
- एटीएम छोड़ने से पहले, लेनदेन पूरा होने की प्रतीक्षा करें और अपना कार्ड लेना सुनिश्चित करें।
- यूको एमबैंकिंग प्लस ऐप के डिजीसेफ कॉर्नर से आवश्यकतानुसार कार्ड लेनदेन की सीमा निर्धारित करें।

क्या न करें

- कहीं भी पिन न लिखें बल्कि उसे याद रखें।
- अपनी जन्मतिथि, 1234, 1111 या इसी तरह के पूर्वानुमानित पिन सेट न करें।
- कभी भी कार्ड संख्या, समाप्ति तिथि, सीवीवी, पिन, ओटीपी किसी के साथ साझा न करें।
- यदि कोई कार्ड विवरण पूछता है तो कॉल का जवाब न दें, संदेह होने पर बैंक की ग्राहक सेवा को कॉल करें।
- किसी को अपना कार्ड न सौंपें और एटीएम में किसी अजनबी से सहायता न लें।
- असुरक्षित/सार्वजनिक/मुफ़्त वाई-फाई नेटवर्क पर ऑनलाइन लेनदेन हेतु कार्ड के उपयोग से बचें।
- कार्ड विवरण को ब्राउज़र/इंटरनेट/उपकरण में न सहेजें।
- किसी भी सार्वजनिक/सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कार्ड की तस्वीरें पोस्ट न करें।

महत्वपूर्ण बिंदु

डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित रखें

आप सुरक्षित .. तो बैंक सुरक्षित

यूको बैंक के डेबिट कार्ड को कैसे हॉटलिस्ट या ब्लॉक करें

- पंजीकृत मोबाइल नंबर से 1800-103-0123 (टोल फ्री) पर संपर्क करें
- uco.custcare@ucobank.co.in पर ईमेल करें
- पंजीकृत मोबाइल नंबर से 9230192301 नंबर पर 'HOT Or HOT' फॉर्मेट में एसएमएस करें
  फार्मेट: HOT<space><last 4 digit of card no.> या HOT<space><14 digit account no.>
- प्ले स्टोर/ ऐप स्टोर से यूको सिक्योर या यूको एम बैंकिंग प्लस ऐप को डाउनलोड करें एवं "मैनेज कार्ड" पर जाएं|

साइबर धोखाधड़ी की घटना की सूचना https://www.cybercrime.gov.in पर दें या सहायता हेतु 1930 पर कॉल करें।